tration. In the light of the results of the investigation, further action will be taken by the Railway Administration to bring the culprits to book and make good the losses to the employees. The loan sanctioning authority was the Assistant Personnel Officer of Divisional Railway Manager's office, Ferozepur.

बांसवाड़ा-रतलाम रेल लाइन

4542. **श्री भीखा भाई :** क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या राजस्थान सरकार ने बांसवाड़ा को रतलाम के साथ जोड़ने के प्रस्ताव को प्राथमिकता देने के बारे में मंत्रालय को लिखा है ; और

(ख) यदि हां, तो क्या यह सच है कि इस संबंध में अभी तक कोई कार्यवाही नहीं की गयी है हालांकि बहुत समय पहले प्राथमिक और इंजीनियरी सर्वेक्षण के आधार पर इस लाइन का निर्माण करने का निर्णय कर लिया गया था ?

रेल मंत्रालय में उप मंत्री (श्री मल्लिकार्जुन): (क) जी हां।

(ख) रतलाम से बांसवाड़ा के बीच बड़ी रेल लाइन बिछाने और उसे डूंगरपुर तक बनाये जाने की संभावना के लिए प्रारंभिक इंजीनियरी एवं यातायात सर्वेक्षण 1977 में पूरे किये गये हैं। सर्वेक्षण दल द्वारा नीचे लिखे दो सर्वेक्षणों का सर्वेक्षण किया गया था :--

(1) शिवगढ़, बजाणा के रास्ते रतलाम से बांसवाड़ा तक लम्बाई 78.76 कि० मी० अनुमानित लागत 24.55 करोड़ रुपये; और

(2) सेमलिया, दानपुर, सरवन के रास्ते रतलाम से बांसवाड़ा तक, लम्बाई 95.13 कि० मी० अनुमानित लागत 34.26 करोड़ रुपये।

पहाड़ी क्षेत्र होने के कारण दोनों ही मामलों में निर्माण की लागत बहुत अधिक होगी और इसके तत्काल निर्माण का औचित्य सिद्ध करने के लिए इस लाइन पर पर्याप्त यातायात उपलब्ध होने की आशा नहीं है। पूंजी निवेश पर प्रतिफल भी ऋणात्मक पाया गया है।

राजधानी एक्सप्रेस में दो टियर वाला द्वितीय श्रेणी का वातानुकूलित डिब्बा जोड़ा जाना

4543. **श्री मोतीभाई आर० चौधरी :** क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या नई दिल्ली और बम्बई के बीच चलने वाली राजधानी एक्सप्रेस रेलगाड़ी में दो टियर वाला द्वितीय श्रेणी का वातानुकूलित डिब्बा जोड़ा जायेगा ताकि कुर्सियों में बैठकर ऐसी लम्बी यात्रा करने में होने वाली कठिनाई को दूर किया जा सके ; और

(ख) क्या इस महत्वपूर्ण रेलगाड़ी में यह सुविधा उपलब्ध करने के लिए मांग बहुत लम्बे समय से बार-बार की जा रही है तथा क्या इसको पूरा किया जायेगा ?

रेल मंत्रालय में उप मंत्री (श्री मल्लिकार्जुन) : (क) और (ख). जी नहीं। राजधानी एक्सप्रेस में वातानुकूल 2-टियर शयनयान लगाने की मांगें प्राप्त हुई हैं। परन्तु, 151/152 राजधानी एक्सप्रेस में यह डिब्बा लगाना व्यावहारिक नहीं पाया गया क्योंकि यह वर्तमान अनुमोदित पूरे डिब्बा भार के साथ चल रही है।

Conversion of Samastipur-Jogbani Line

4544. SHRI RAM SINGH SHAKYA: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether there is any proposal under consideration to convert the railway line from Samastipur to Jogbani into broad gauge;

(b) if so, by what time the proposal is likely to be finalised and the project taken in hand for execution; and

(c) if not, the reasons therefor?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI MALLIKARJUN): (a) to (c). The route from Samastipur to Jogbani is via Barauni and Katihar. There is a broad gauge link between Samastipur and Barauni. The section from Barauni to Katihar is approved for conversion into BG and work is in progress. There is no proposal at present to convert the section from Katihar to Jogbani.